Rajasthan Patrika, Page No. - 03.
Date :- 11/06/2026. (Ahmedabad / Surat)

कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट तक बनेगा 6.03 किमी लंबा नया कॉरिडोर

एयरपोर्ट तक दौड़ेगी अहमदाबाद मेट्रो, कैबिनेट की मिली हरी झंडी

5 स्टेशन होंगे, अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नेटवर्क बढ़कर 77.63 किमी होगा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के दूसरे चरण (फेज-2 ए) को मंजूरी दे दी। इसके तहत कोटेश्वर रोड से सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक 6.032 किलोमीटर लंबा नया मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत ब्याज सहित 2169.04 करोड़ रुपए होगी।

फेज-2 ए के पूरा होने के बाद अहमदाबाद और गांधीनगर का सक्रिय मेट्रो नेटवर्क बढ़कर 77.63 किलोमीटर हो जाएगा। इस नए कॉरिडोर में कुल पांच स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें चार एलिवेटेड और एक भूमिगत स्टेशन शामिल होगा।

ये होंगे नए स्टेशन: इस कॉरिडोर में आश्रम रोड, कोटेश्वर प्राचीन मंदिर, साबरमती नदी, सरदार नगर और एयरपोर्ट स्टेशन विकसित किए जाएंगे। एयरपोर्ट तक मेट्रो पहुंचने से यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और किफायती सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा।

एयरपोर्ट तक मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी: केंद्र सरकार के अनुसार, यह इलाका अहमदाबाद के उन आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा, जहां फिलहाल सुगम सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। नया कॉरिडोर मौजूदा अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो लाइन के साथ एकीकृत होगा, जिससे यात्रियों की आवाजाही और आसान हो जाएगी। सरकार का मानना है कि वर्ष 2029 में प्रस्तावित वर्ल्ड पुलिस गेम्स और 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स को देखते हुए आसपास खेल सुविधाओं के विकास की भी संभावना बढ़ेगी।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत: एयरपोर्ट तक मेट्रो सेवा शुरू होने से शहर के भीतर सड़क यातायात का दबाव कम होगा।

इससे यात्रा का समय घटेगा, वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और सड़क सुरक्षा में भी सुधार आएगा।

मेट्रो ट्रेन स्टेशन (फाइल फोटो)।

दैनिक यात्रियों की संख्या 1.6 लाख तक पहुंची:
गांधीनगर. 68.28 किमी लंबा मेट्रो रेल नेटवर्क अहमदाबाद और गांधीनगर के नागरिकों की सुविधा में वृद्धि करने के साथ ही समय की बचत भी कर रहा है। नतीजतन, आज लाखों यात्री मेट्रो सेवा का लाभ उठा रहे हैं। वर्ष 2023 में रोजाना औसतन 69 हजार यात्रियों ने मेट्रो सेवा का लाभ उठाया था, वहीं 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 1.01 लाख और 2025 में 1.33 लाख तक पहुंच गया।

पर्यावरण को होगा फायदा

सरकार के मुताबिक, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। यह परियोजना अहमदाबाद और गांधीनगर को अधिक पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ शहरी परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

फेज-2 ए परियोजना के निर्माण **के** दौरान चरम अवधि में करीब 2,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने का अनुमान है। वहीं, मेट्रो के संचालन और रखरखाव के लिए लगभग 500 लोगों को स्थायी रोजगार मिलने की संभावना जताई गई है।

आर्थिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस डिपो जैसे महत्वपूर्ण स्थानों तक बेहतर पहुंच से लोगों की उत्पादकता बढ़ेगी। वहीं, नए मेट्रो स्टेशनों के आसपास व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने और निवेश आकर्षित होने की भी संभावना है।

एक नजर में...

- **प्रोजेक्ट:** अहमदाबाद मेट्रो फेज-2ए
- **कॉरिडोर :** कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट
- **लंबाई:** 6.032 किमी
- **कुल स्टेशन:** 5 (4 एलिवेटेड, 1 भूमिगत)
- **अनुमानित लागत:** 2,169.04 करोड़ रुपए
- **नए स्टेशन:** आश्रम रोड, कोटेश्वर प्राचीन मंदिर, साबरमती नदी, सरदार नगर और एयरपोर्ट
- **परियोजना पूरी होने के बाद कुल मेट्रो नेटवर्क:** 77.63 किमी
- **निर्माण अवधि में रोजगार :** लगभग 2,000
- **संचालन एवं रखरखाव में रोजगार:** लगभग 500